

सभी तक डिजिटल तकनीक व चिकित्सा विज्ञान पहुंचाने में जुटा आइआइएम

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) की ओर से शनिवार को प्रेजेंटेशन सेरेमनी (दीक्षा समारोह) का आयोजन किया गया। इसके तहत डिजिटल हेल्थ प्रोग्राम के पहले बैच को पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट दिया गया। पहले बैच में 41 छात्र-छात्राएं थे, जिनमें 12 महिलाएं और 29 पुरुष थे। आइआइएम के निदेशक प्रो. रामकुमार ककानी ने कहा कि इस प्रोग्राम का उद्देश्य कामकाजी पेशेवरों को डिजिटल हेल्थ में आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। हमारे दृष्टिकोण अनुसार दुनिया के लिए सर्वश्रेष्ठ नेताओं को तैयार करना है, जो न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में स्वास्थ्य सेवा के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करेंगे। हम डिजिटल हेल्थ में वैश्विक नेताओं को बनाने की इच्छा रखते हैं। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित नेता डिजिटल उपकरणों के साथ परामर्श कंपनियों, फार्मास्युटिकल कंपनियों,



भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) में शनिवार को आयोजित दीक्षा समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राएं एवं अतिथि। ● आयोजक

मेड-टेक कंपनियों और अस्पतालों के साथ काम करते हुए स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देंगे।

उन्होंने कहा छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अभिनव उत्पाद, परियोजनाएं और कार्यक्रम विकसित करें जो स्वास्थ्य सेवा को पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनाएं। अब समय है कि डिजिटल तकनीकों और चिकित्सा विज्ञान का संगम हर

समाज के वर्ग को लाभान्वित करे।

41 छात्र हुए स्नातक : शनिवार को 41 छात्र स्नातक हुए। इसमें 12 महिलाएं और 29 पुरुष शामिल हैं। वहीं, सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले डा. आशीष कुमार गुप्ता को डायरेक्टर सर्टिफिकेट से नवाजा गया है। ये छात्र स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमियों से आते हैं, जिनमें वरिष्ठ डाक्टर, सर्जन,

दंत चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्स, फार्मास्युटिकल, मेड-टेक और डिजिटल हेल्थ क्षेत्रों के पेशेवर, सरकारी अधिकारी और वरिष्ठ अकादमिक शामिल हैं, जिनके पास औसतन 20 वर्षों का कार्य अनुभव है। इस दौरान डा. राजीव सिंह रघुवंशी ने ग्रामीण भारत की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत ने तैयार की डिजिटल हेल्थ लीडर्स की पहली बैच

इस दौरान डा. राजेंद्र प्रताप गुप्ता ने कहा भारत ने डिजिटल हेल्थ लीडर्स की पहली बैच तैयार की है। जिनके पास स्वास्थ्य सेवा के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता है। यह डिजिटल हेल्थ साइंसेज अकादमी ने रायपुर के सहयोग से एक अद्वितीय कोर्स के माध्यम से वैश्विक रूप से आनलाइन पेश किया है। पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन डिजिटल हेल्थ। यह कार्यक्रम पहले बैच के सर्टिफाइड डिजिटल हेल्थ प्रोफेशनल्स (ई) को तैयार करता है। इस अवसर पर कार्यक्रम निदेशक डा. संजीव प्रसाद, डा. जिथ्यासु गौर, डा. संदीप एस और मेविश वैष्णव ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी।